सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 28 November TO 04 DECEMBER 2025 • VOLUME 19 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"मुस्कान वो भाषा है जिसे हर दिल समझता है।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	32°	18°
शनिवार	33 °	19°
रविवार	34°	20°
सोमवार	35°	19°
मंगलवार	34°	18°
बुधवार	33°	17°
वीरवार	31°	17°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 83% की कमी : शिवराज सिंह चौहान

बोले- मसूर, तूअर, उड़द, चना भी एमएसपी पर खरीदेंगे, किसानों के पसीने की पूरी कीमत चुकाएंगे

केंद्रीय मंत्री ने विगत 6 वर्षों से पराली ना जलाने और पराली का उचित प्रबंधन करने के लिए रणसिंह कलां गांव की अभूतपूर्व उपलब्धि की सराहना की

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज एक दिवसीय पंजाब दौरे पर हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने मोगा के रणसिंह कलां गांव के किसान भाई-बहनों, ग्रामवासियों और हितधारकों से मुलाकात कर विगत 6 वर्षों से पराली ना जलाने और पराली के उचित प्रबंधन में अभूतपर्व उपलब्धि के लिए सभी की सराहना की और बधाई दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं आज पंजाब को बधाई देने आया हूं। पंजाब के पराली प्रबंधन के प्रयोग को सारे देश में ले जाने आया हूं। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में इस साल 83 प्रतिशत की कमी आई है। जहां लगभग 83 हजार पराली जलाने की घटनाएं होती थी वह अब घटकर 5 हजार के करीब हो चुकी हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान भाई-बहन पूछते हैं कि पराली ना जलाएं तो विकल्प क्या है? गेहूं और अन्य फसल की बुवाई के लिए खेत साफ कैसे करें? इन सवालों के समाधानों के लिए रणसिंह कलां गांव में प्रयोग हुए हैं। रणसिंह कलां गावं ने उदाहरण पेश किया है। यहां पिछले 6 वर्षों से पराली नहीं जलाई गई है, यहां किसान भाई-बहन सीधे पराली को खेत में मिलाते हैं और डायरेक्ट सीडिंग करते हैं।

चौहान ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले रणसिंह कलां गांव के बारे में पढ़ा। यहां पराली को बोझ नहीं माना गया, बल्कि इसे वरदान में बदल दिया गया। उन्होंने कहा कि पराली जलाने के बाद खेतों में पानी डालना पड़ता है उसके बाद खेत बुवाई के लिए तैयार किए जाते हैं वहीं रणसिंह कलां गावं की भांति प्रबंधन करने से हैप्पी सीडर से कटाई और खेतों में पराली मिला देने के बाद बिना पानी दिए डायरेक्टर सीडिंग की जा सकती है। इससे पानी और डीजल दोनों की बचत होती है। पराली में पोटाश होता है, जो खेतों में मिलकर उसे फायदा पहुंचाता है। खरपतवार नहीं होता। जमीन में नमी बनी रहती है। खेतों में पराली मिलाने से जैविक कार्बन बढ़ता है। खाद की आवश्यकता कम पड़ती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रणसिंह कलां गांव एक पाठशाला है जहां से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि गेहूं, धान और गन्ने की सरकार खरीद करती रही है और आगे भी निश्चित रूप से करती रहेगी। लेकिन इसके साथ-साथ मसूर, तूअर, उड़द और चना का भी जितना उत्पादन किसान भाई-बहन करेंगे उसको भी सरकार एमएसपी पर खरीदेगी। किसान के पसीने की पूरी कीमत चुकाई जाएगी।

मनरेगा की गड़बड़ियों की होगी जांच, केंद्र से भेजी जाएगी टीम

केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब प्रवास के दौरान जालंधर में ग्रामीण विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और हितग्राहियों से संवाद किया। इसके बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पंजाब में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में गड़बड़ियों और अनियमितताओं की शिकायतें मिली हैं, जिनकी जांच के लिए केंद्र सरकार की ओर से एक दल भेजा जाएगा। चौहान ने स्पष्ट किया कि मनरेगा गरीबों और ग्रामीण मजदूरों की आजीविका से सीधे जुड़ी योजना है, इसलिए इसमें एक रुपये की भी हेराफेरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जहां भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिवराज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब के समग्र विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित केंद्र की सभी योजनाओं का त्वरित लाभ पंजाब को दिया जा रहा है।

पंजाब पुलिस ने नवीन अरोड़ा कत्ल मामले का मुख्यारोपी किया ढेर

धुंध का फायदा उठाकर दो मुलज़िम .30 बोर का एक पिस्तौल और .32 बोर का एक पिस्तौल छोड़कर भागे

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/फिरोज़पुर

पंजाब पुलिस द्वारा बड़ी सफलता हासिल करते हुए नवीन अरोड़ा हत्या केस के मुख्यारोपी जिसकी पहचान बस्ती भट्टियां निवासी बादल के रूप में हुई है, को आज गांव महामुजोहीआ में पुलिस पार्टी और उसके साथियों के बीच हुई गोलीबारी के दौरान ढेर कर दिया गया है।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) फिरोज़पुर रेंज हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि फिरोज़पुर पुलिस ने बुधवार को संदिग्ध बादल को गिरफ़्तार किया था और पूछताछ के दौरान उसने अपने दो साथियों राजू और सोनू के बारे में जानकारी दी। दोनों उसे गुरुवार सुबह करीब 5 बजे गांव महामुजोहीआ के टोल प्लाज़ा के पास स्थित श्मशानघाट से फरार करवाकर राजस्थान ले जाने वाले थे। बादल ने यह भी दावा किया था कि उसने वहीं हथियार छिपाए थे। उन्होंने बताया कि बादल के खुलासे पर पुलिस टीम उसे श्मशानघाट लेकर जा रही थी, जहां उसके दोनों साथी छिपे हुए थे। पुलिस पार्टी को देखते ही उन्होंने बादल को छुड़ाने के इरादे से पुलिसकर्मियों पर गोलियां चला दीं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी बादल गोली लगने से घायल हो गया। इलाज के लिए उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी अनुसार, फिरोज़पुर पुलिस ने नवीन अरोड़ा की हत्या के संबंध में पहले ही तीन मुलज़िमों— हर्ष, कनव और गुरसिमरन सिंह उर्फ़ जतिन उर्फ़ काली— को गिरफ़्तार कर लिया है। ये सभी आरोपी फिरोज़पुर की बस्ती भट्टियां के रहने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर 2025 को नवीन अरोड़ा की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

एसएसपी फिरोज़पुर भूपिंदर सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्या के तुरंत बाद आरोपियों का पता लगाने के लिए विशेष टीमें बनाई गई थीं। तकनीकी व मानव खुफिया जानकारी, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस टीमों ने हत्या में शामिल संदिग्धों की पहचान करने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के दौरान हेड कांस्टेबल बलौर सिंह भी घायल हो गया और एक गोली कांस्टेबल गुरमीत सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी।

असम में बहुविवाह विधेयक पारित, दूसरी शादी पड़ सकती है भारी

गुहाटी. असम विधानसभा ने गुरुवार को 'असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025' पारित कर दिया जिसमें दूसरी शादी करने पर 10 साल तक की जेल जैसी कड़ी सज़ा का प्रावधान है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस विधेयक की ज़रूरत को उचित ठहराने के लिए तुर्की का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक इस्लाम के ख़िलाफ़ नहीं है और लोगों से इस विधेयक का समर्थन करने और सच्चा मुसलमान बनने का आग्रह किया। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि इस्लाम बहुविवाह को बढ़ावा नहीं दे सकता। अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो आपको सच्चा मुसलमान बनने का मौका मिलेगा। यह विधेयक इस्लाम के ख़िलाफ़ नहीं है। तुर्की जैसे देशों ने भी बहुविवाह पर प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान में एक मध्यस्थता परिषद है। यह मसौदा कानून छठी अनुसूची के क्षेत्रों को छोड़कर पूरे राज्य में लागू होगा। इस विधेयक में गैरकानूनी बहुविवाह के लिए किसी भी अपराधी को 7 साल की कैद और पिछली शादी को छिपाने के लिए 10 साल की कैद का प्रस्ताव किया गया है। नए अधिनियम के तहत पीड़ित महिलाओं को मुआवजा और कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। बार-बार हिंसा करने वाले अपराधी को कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा।

उप-राष्ट्रपति कार्यालय से मिली पीयू सीनेट चुनाव की तारीखों को मंजूरी

चंडीगढ़. पंजाब यूनिवर्सिटी के चांसलर एवं उपराष्ट्रपति कार्यालय ने सीनेट चुनाव की तारीखों को मंजूरी दे दी है। सचिव सरिता चौहान ने जानकारी दी कि चुनाव उसी शेड्यूल के अनुसार आयोजित किए जाएंगे, जिसे पहले यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भेजा था। उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा मंजूरी जारी होने के साथ ही चुनाव प्रक्रिया को औपचारिक रूप से हरी झंडी मिल गई है। पंजाब यूनिवर्सिटी की सीनेट का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। पिछली सीनेट का कार्यकाल साल 2024 में ही समाप्त हो गया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने नई सीनेट के चुनाव से पहले पुरानी सीनेट को भंग कर दिया था।

कानूनी और प्रशासनिक अड़चनों के चलते चुनाव प्रक्रिया पिछले कई महीनों से अटकी हुई थी। सीनेट चुनाव की तारीखों की घोषणा में देरी को लेकर पीयू चंडीगढ़ बचाओ मोर्चा बीते 25 दिनों से कैंपस में धरना दे रहा था। इस दौरान कई छात्र संगठनों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी उनका समर्थन किया। 26 नवंबर को यूनिवर्सिटी बंद रखने की कॉल दी गई थी, जिससे कैंपस में माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया था।

जेई और ठेकेदार रिश्वत लेते हुए पकड़े

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). विजीलेंस ब्यूरो ने दसूहा में पीएसपीसीएल के जूनियर इंजीनियर निर्मल सिंह और सरकारी मंज़ूरशुदा ठेकेदार सतनाम सिंह को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार शिकायतकर्ता—जो तहसील दसूहा का निवासी और टैक्सी चालक है—के पास गांव में 13 मरले का प्लॉट है, जिसमें से तीन-फ़ेज़ तारें पड़ोस के कांता पुत्र देसा सिंह की मोटर तक जाती थीं। शिकायतकर्ता ने पीएसपीसीएल सब-डिवीजन दसूहा में आवेदन देकर इन तारों को प्लॉट के एक ओर तब्दील करवाने की मांग की थी। ठेकेदार ने मंज़ूरशुदा

नक्शे के अनुसार तारें बदल दी थीं, लेकिन शिकायतकर्ता ने उसी दिन रिश्वत नहीं दी। शिकायतकर्ता ने पूरी बातचीत अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली और साक्ष्य के साथ विजीलेंस ब्यूरो से संपर्क किया। जांच के बाद विजीलेंस ब्यूरो यूनिट जालंधर ने योजना बनाकर दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते पकड़ लिया।

'आप' नेता पर गोलीबारी नशा तस्करों और गैंगस्टरों द्वारा की गई कायरतापूर्ण कार्रवाई : बलतेज पन्नू

फगवाड़ा (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी ('आप') पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल और जनरल सचिव बलतेज पन्नू आज 'आप' नेता राजू से मिलने फगवाड़ा स्थित उनके घर पहुँचे, जहाँ पिछली रात अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर गोलीबारी की थी। 'आप' नेता से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए पन्नू ने इस गोलीबारी की घटना को नशा तस्करों और गैंगस्टरों द्वारा की गई कायरतापूर्ण कार्रवाई बताया, जो 'आप' सरकार के पंजाब को नशा मुक्त बनाने के निर्णायक अभियान से बौखलाए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'आप' नेता राजू नशा मुक्ति मोर्चे के सक्रिय सदस्य हैं और इस तरह की घटनाओं से डरने

वाले नहीं हैं। पन्नू ने कहा कि यह गोलीबारी नशा तस्करों की निराशा का परिणाम है, जो 'आप' सरकार की सख्ती को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका इरादा हमारे कार्यकर्ताओं को डराना है, लेकिन हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यदि आप हमें डराने की कोशिश करेंगे, तो हम दोगुनी ताक़त और गति से पंजाब से गैंगस्टरों को खत्म कर देंगे।

'आप' ने मोगा के मेयर को किया निलंबित

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी ('आप') पंजाब ने मोगा के मेयर बलजीत सिंह चन्नी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया है और उन्हें उनके पद से तत्काल हटा दिया है। पार्टी को नशा तस्करों के साथ उनके संबंधों के ठोस सबूत मिले हैं। 'आप' के प्रदेश महासचिव हरचंद सिंह बरसट ने आधिकारिक निलंबन आदेश जारी करते हुए कहा है कि पार्टी की नशों, भ्रष्टाचार और पंजाब तथा इसके युवाओं के हितों को नुकसान पहुँचाने वाली किसी भी गतिविधि के प्रति शून्य-सहिष्णुता (जीरो-टॉलरेंस) की नीति है। उन्होंने कहा कि पार्टी गलत या आपराधिक गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दे सकती। बरसट ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पद पर हो, ड्रग्स नेटवर्क से जुड़ा पाया जाता है या नशों के खिलाफ लड़ाई से समझौता करता पाया जाता है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। आम आदमी पार्टी ने जोर देकर कहा कि नशों के खिलाफ उसका अभियान समझौता-रहित है और इसका उद्देश्य तस्करों और उनके राजनीतिक संरक्षकों के गठजोड़ को पूरी तरह से खत्म करना है।

पंजाब ने जीसीसी और सीआईएस राजदूतों के साथ गोलमेज़ बैठकों द्वारा वैश्विक साझेदारी के ताने-बाने किए मजबूत

राजदूतों ने राज्य की सक्रिय पहल की सराहना की, निवेश, व्यापार और क्षेत्रीय सहयोग पर हुई विस्तृत चर्चा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/नई दिल्ली

6वें प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट (पीपीआईएस)-2026 से पहले की अंतरराष्ट्रीय पहल के तहत पंजाब सरकार ने आज नई दिल्ली में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों और स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) क्षेत्र के राजदूतों के साथ दो गोलमेज़ बैठकें आयोजित कीं।

इन बैठकों की अध्यक्षता उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली तथा प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने की। इन बैठकों में विभिन्न देशों के राजदूतों, वरिष्ठ कूटनीतिक प्रतिनिधियों, विदेश मंत्रालय (एमईए) के अधिकारियों तथा पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। दोनों बैठकें श्री के.के. यादव, आई ए एस, प्रशासकीय सचिव, निवेश प्रोत्साहन विभाग के स्वागत भाषण से प्रारंभ हुईं। इसके बाद "एडवांटेज पंजाब" प्रस्तुति दी गई, जिसमें राज्य के सशक्त औद्योगिक वातावरण, निवेश-तैयार बुनियादी ढांचे, नीतिगत सुधारों तथा कृषि, कृषि-तकनीक, फूड प्रोसेसिंग, आईटी, स्वास्थ्य सेवाओं और विनिर्माण में उभरते अवसरों का विस्तृत विवरण दिया गया।

जीसीसी गोलमेज़ बैठक में कुवैत, ओमान, कतर और बहरीन के राजदूतों ने भाग लिया, जो पंजाब के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने के लिए जी सी सी ब्लॉक की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राजदूतों ने पंजाब की प्रस्तुति की सराहना की और कहा कि विश्वस्तरीय बंदरगाहों, मजबूत लॉजिस्टिक्स प्रणालियों तथा अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका के साथ व्यापक वैश्विक संपर्क के कारण जी सी सी क्षेत्र पंजाब और भारत के लिए एक प्रमुख निर्यात द्वार बन सकता है। उन्होंने पंजाब की विनिर्माण क्षमता, कुशल मानव संसाधन, उद्यमशीलता और जी सी सी की आर्थिक विविधता के बीच मजबूती से जुड़ने वाली समानताओं का उल्लेख किया।

सीआईएस गोलमेज़ बैठक में कज़ाकिस्तान, रूस, आर्मेनिया और बेलारूस के राजदूतों ने हिस्सा लिया। इन देशों ने पंजाब के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने में गहरी रुचि दिखाई।

कज़ाकिस्तान के राजदूत ने शिक्षा, पर्यटन और संस्कृति, तथा व्यापार और निर्यात को सहयोग के तीन प्रमुख स्तंभ बताते हुए पंजाब की मजबूत अकादमिक संस्थाओं, आधुनिक कृषि पद्धतियों और समृद्ध पर्यटन संभावनाओं की प्रशंसा की।

'एक राष्ट्र, एक कर' ने देश भर में कर ढांचे को सरल और अधिक पारदर्शी बना दिया है : ओम बिरला

कहा- सिविल सेवाओं में महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या भारत के विकास और आकांक्षाओं को दर्शाती है

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि "एक राष्ट्र, एक कर" तथा जीएसटी ढांचे के साथ-साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में सुधारों ने देश के कर ढांचे को सरल और अधिक पारदर्शी बना दिया है, जिससे भारत के विकास और समृद्धि में योगदान मिल है। उन्होंने कहा कि इस पारदर्शी व्यवस्था को बनाए रखने और इसे मजबूती प्रदान करने की जिम्मेदारी राजस्व सेवा के अधिकारियों की है। बिरला ने भारतीय राजस्व सेवा (सीएंडआईटी) के 76वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की, जो संसद भवन परिसर में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संबंध में आयोजित एक परिबोधन कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। विभिन्न केन्द्रीय और अखिल भारतीय सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या भारत के विकास और आकांक्षाओं को दर्शाती है।

बिरला ने आज के युवाओं के तकनीकी कौशल और तकनीकी ज्ञान की भी प्रशंसा की, जो राष्ट्र निर्माण के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार का लाभ उठाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रशिक्षु अधिकारियों का साहसिक, आत्मविश्वास से युक्त और नया दृष्टिकोण भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करने में सहायक होगा। उन्होंने आगे कहा कि युवा प्रशिक्षु अधिकारियों का योगदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित "विकसित भारत" के लक्ष्य को सार्थक रूप से साकार करने में सहायक होगा। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि भारत की संसद देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नीति-निर्माण का केंद्र है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारीगण भारत की आर्थिक मज़बूती के प्रमुख स्तंभ बनेंगे। बिरला ने कहा कि आईआरएस अधिकारी न केवल कर संग्रह करते हैं, बल्कि ईमानदार करदाताओं का सम्मान करने, व्यापार को सुगम बनाने, अवैध व्यापार और धन शोधन को रोकने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

“हावड़ा ब्रिज, विक्टोरिया” — कोलकाता की एक रोमांचक ट्रैवल स्टोरी

Travelling यात्रा सिर्फ जगहों को नहीं, डर को भी जीतने का नाम है। और कोलकाता... यह शहर हर यात्री को एक कहानी देकर ही विदा करता है। -भूपिंदर कपूर

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

कोलकाता हमेशा से मेरे लिए सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि एक एहसास रहा है—किताबों, ट्रामों और पीली टैक्सियों से भरा एक जादू। लेकिन इस बार मेरी ट्रिप सिर्फ घूमने की नहीं थी, यह एक ऐसे रोमांच की कहानी बन गई जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

1. पहली सुबह—कोलकाता की खुशबू

मैं सुबह-सुबह हावड़ा स्टेशन उतरा। स्टेशन की चहल-पहल, चाय की महक और “चले चले” की पुकारें—सबने शहर की पहली झलक को खास बना दिया। बदली हुई हवा और भीड़ में गुम होते चेहरे मुझे एक अजीब सा रोमांच दे रहे थे, जैसे शहर अपने रहस्य धीरे-धीरे खोलने वाला हो।

2. पीली टैक्सी और अनजाना रास्ता

मैंने पीली Ambassador टैक्सी रोकी और ड्राइवर को कहा, “मुझे पुरानी कोलकाता देखनी है।” ड्राइवर मुस्कुराया, “तो बाबू, हम आपको एक ऐसा रास्ता दिखाएँगे जो गूगल मैप पर भी नहीं मिलेगा।” बस यहीं से मेरी असली यात्रा शुरू हुई।

3. पुराने कोलकाता की गलियाँ

टैक्सी अचानक छोटे-छोटे रास्तों में मुड़ने लगी। एक तरफ पुरानी इमारतें, दूसरी तरफ चाय की दुकानों से उठती भाप—जैसे शहर की आत्मा सांस ले रही हो। ड्राइवर ने बताया कि ये गलियाँ 100 साल पुरानी हैं, और हर मोड़ पर एक कहानी दबी है।

4. अंधेरी गली और रहस्यमयी आवाज़

जब हम कॉलेज स्ट्रीट की तरफ बढ़ रहे थे, टैक्सी अचानक एक बेहद संकरी गली में फंस गई। आवाज आई—“एई पासे मत जाओ... खतरनाक है।” ड्राइवर की आँखों में हल्का डर था। उसने धीरे से कहा, “यहाँ रात को अजीब घटनाएँ होती हैं।” मैंने पहली बार कोलकाता की रोमांचक साइड महसूस की।

5. बोट राइड का प्लान

शाम को मैं हावड़ा ब्रिज के पास पहुँचा। वहाँ एक नाव वाला मिला जो बोला: “आजरातनदीकुछखासहै, अगरहिम्मतहैतोनावपरचलो।” दिल में एक सिहरन उठी, पर रोमांच के लिए मैं मान गया।

6. हुगली नदी की रात

नाव धीरे-धीरे बहने लगी। आसमान में बादल, नदी में हल्की लहरें और ऊपर चमकता हावड़ा ब्रिज—सब मिलकर एक रहस्यमय माहौल बना रहे थे। नाव वाला बोला, “इस नदी में कई कहानियाँ दबी हैं... कुछ खुशियों की, कुछ डर की।” मैंने पूछा, “डर की?”

वह बोला, “कभी-कभी रात को नीचे से आवाज़ें आती हैं... जैसे कोई मदद बुला रहा हो।”

7. अचानक बदला मौसम

अचानक हवा तेज़ होने लगी। नदी उछलने लगी। नाव डगमगाने लगी। नाव वाला घबरा गया—“हमने देर कर दी। तूफ़ान आने वाला है!” शहर की रोशनियाँ दूर होती जा रही थीं। चारों तरफ़ सिर्फ काली नदी और तेज़ हवा का शोर।

8. हावड़ा ब्रिज के नीचे फँसी नाव

लहरें इतनी तेज़ थीं कि नाव बहते-बहते ब्रिज के विशाल खंभों के नीचे आ गई। नाव वाले ने कहा—“अगर नाव यहाँ टकराई तो बचना मुश्किल है!” मैंने रस्सी पकड़कर नाव को मोड़ने में मदद की। हाथों में दर्द था, लेकिन डर और हिम्मत दोनों साथ चल रहे थे।

9. आख़िरी कोशिश

नाव वाला चिल्लाया—“एक आख़िरी खिंचाव दो!” हम दोनों ने सारी ताकत लगाई। लहरें, हवा और अँधेरा—सब एक ही पल में जैसे थम गए। नाव धीरे-धीरे मुख्य धारा में लौट आई।

10. नई सुबह, नई सीख

अगली सुबह घाट पर बैठे हुए मैंने हावड़ा ब्रिज की तरफ देखा। रोशनी में ब्रिज शांत था, जैसे रात का तूफ़ान कभी आया ही नहीं हो। नाव वाला बोला, “कोलकाता ऐसा ही है बाबू... जितना दिखता है, उससे कहीं ज़्यादा गहरा।”

उस दिन मुझे समझ आया—यात्रा सिर्फ जगहों को नहीं, डर को भी जीतने का नाम है। और कोलकाता... यह शहर हर यात्री को एक कहानी देकर ही विदा करता है।

LIFESTYLE

कमरा गर्म रखने के लिए करते हैं रूम हीटर का इस्तेमाल, घेर सकती हैं ये परेशानियां

रूम हीटर ज्यादा देर या गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर सेहत और कमरे की हवा पर बुरा असर भी डाल सकते हैं। डॉ. से जानते हैं कमरे में रूम...

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

ठंड बढ़ते ही ज्यादातर लोग कमरे को गर्म रखने के लिए रूम हीटर और ब्लोअर का यूज करने लगते हैं। रूम हीटर कमरे को गर्म रखकर शरीर की गर्माहट बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसका अधिक इस्तेमाल आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। जी हां, रूम हीटर सर्दियों में आराम तो देते हैं, लेकिन ज्यादा देर या गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर सेहत और कमरे की हवा पर बुरा असर भी डाल सकते हैं। डॉ. से जानते हैं कमरे में रूम हीटर चलाने के क्या हो सकते हैं 5 बड़े साइड इफेक्ट्स।

रूम हीटर चलाने के 5 बड़े

साइड इफेक्ट्स

ड्राई स्किन : कमरे में हीटर चलाने का सबसे पहला और बड़ा नुकसान यह होता है कि वो कमरे में मौजूद हवा से नमी छीन लेता है। हीटर चलाने से कमरे की हवा सूखी हो जाती है, जिससे व्यक्ति की स्किन ड्राई, होंठ फटने, आंखों में जलन, नाक सूखने और गले में खराश जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। दमा वाले लोगों को सांस की दिक्कत भी बढ़ सकती है।

डिहाइड्रेशन की समस्या : कमरे में हीटर चलाने से डिहाइड्रेशन की समस्या भी हो सकती है। हीटर की गर्म हवा शरीर से नमी जल्दी खींच लेती है, जिससे थकान, सिरदर्द, प्यास लगना जैसी परेशानी बढ़ सकती है। नाक की अंदरूनी झिल्ली सूखने से इंफेक्शन, सर्दी-ज़ुकाम और साइनस की दिक्कत भी बढ़ जाती है।

सिरदर्द : गैस या केरोसिन वाले हीटर में कार्बन मोनोऑक्साइड का खतरा ज्यादा बना होता है। अगर कमरा बंद हो या हीटर खराब हो, तो हानिकारक गैस कमरे में भर सकती हैं। जिससे कमरे में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो सकती है। नतीजा, चक्कर, मतली, सिरदर्द, सुस्ती या गंभीर केस में कार्बन मोनोऑक्साइड पॉइजनिंग भी हो सकती है।

असमान गर्मी : रूम हीटर असमान गर्मी (uneven heating) भी पैदा करते हैं। हीटर के पास बैठे लोग ज्यादा गरम महसूस करते हैं, जिससे स्किन लाल होना, रैशेज या गर्मी की जलन हो सकती है, जबकि कमरे के बाकी हिस्से ठंडे रह जाते हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए ये उतार-चढ़ाव ज्यादा परेशानी भरा हो सकता है।

ओवरहीटिंग : इलेक्ट्रिक हीटर धुआं नहीं छोड़ते, लेकिन उनमें भी ओवरहीटिंग, शॉर्ट सर्किट, आग लगने का खतरा बना रहता है। अगर उन्हें परदों, बिस्तर या फर्नीचर के बहुत पास रखा जाए तो हादसा हो सकता है।

बिजली का बिल : हीटर ज्यादा बिजली खाते हैं, जिससे बिजली का बिल बढ़ जाता है। पुराने या कम क्वालिटी वाले हीटर घर की वायरिंग पर भी दबाव डालते हैं, जिससे इलेक्ट्रिक फॉल्ट का खतरा बढ़ सकता है।

हीटर के साइड इफेक्ट्स को कम करने के टिप्स

- कमरे में ह्यूमिडिफायर चलाएं या पानी का कटोरा रखें।
- कमरे का वेंटिलेशन अच्छा रखें।
- हीटर की टेम्परेचर सेटिंग मीडियम रखें।
- ज्वलनशील चीजों से दूरी बनाए रखें।
- हीटर की नियमित सर्विस करवाते रहें।
- ऊर्जा-कुशल (energy-efficient) और प्रमाणित (certified) हीटर ही खरीदें।
- ऐसे छोटे-छोटे कदम आपके कमरे को गरम भी रखेंगे और आपकी सेहत को भी सुरक्षित रखेंगे।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

स्वाद और सेहत: हरी-भरी पनीर कैसे बनाएं? जानें आसान और झटपट रेसिपी

हरी-भरी पनीर एक पौष्टिक, स्वादिष्ट और झटपट बनने वाली डिश है जिसमें पालक, हरी मिर्च, धनिया और मसालों का बेहतरीन मिश्रण पनीर के साथ मिलकर शानदार स्वाद देता है। ये रोजाना के खाने के लिए एक हेल्दी विकल्प है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

हरी-भरी पनीर एक हरी सब्जियों से बनी स्वादिष्ट रेसिपी है जो ना सिर्फ देखने में आकर्षक लगती है बल्कि इसमें भरपूर आयरन, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं। पालक, हरी मिर्च और पुदीने की ताजी खुशबू इसे एक खास फ्लेवर देती है। यदि आप रोजाना कुछ हल्का, स्वादिष्ट और पौष्टिक जोड़ना चाहते हैं तो यह रेसिपी आपके लिए एक परफेक्ट विकल्प है।

आवश्यक सामग्री

- पनीर- 250 ग्राम (क्यूब्स में कटे), पालक- 2 कप, हरी मटर- आधा कप, धनिया पत्ती- 1 कप, पुदीना- ½ कप, हरी मिर्च - 2, अदरक- 1 इंच, लहसुन- 3-4 कलियां, प्याज- 1 बारीक कटा, टमाटर- 1, तेल- 2 tbsp, जीरा- 1 tsp, नमक स्वादानुसार, गरम मसाला- ½ tsp, क्रीम/दही- 2 tbsp (वैकल्पिक)

बनाने की विधि

- पालक, धनिया, मटर और पुदीना को ब्लांच कर पीस लें। इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च भी डालें ताकि एक स्मूद हरी पेस्ट बने।
- कड़ाही गरम करें और उसमें तेल डालें। जीरा चटकने के बाद बारीक कटे प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।
- अब टमाटर डालकर 2-3 मिनट पकाएं जब तक मसाला अच्छी तरह मिल ना जाए।
- तैयार हरा पेस्ट कड़ाही में डालें और 4-5 मिनट धीमी आंच पर पकाएं।
- अब पनीर क्यूब्स डालें, नमक और गरम मसाला मिलाकर 5 मिनट पकाएं।
- क्रीमी टेक्सचर के लिए अंत में दही या क्रीम डालकर 1 मिनट चलाएं।
- स्वादिष्ट हरी-भरी पनीर गरमा-गरम रोटी, पराठा या जीरा राइस के साथ परोसें।

साइकॉलोजिस्ट ने बताई बच्चों के बिगड़ने की सबसे बड़ी वजह, जो ज्यादातर मां-बाप कर रहे हैं!

जालंधर ब्रीज (फीचर) . परिवार में बच्चे हमेशा वही सीखते हैं, जो वे रोज अपने आस-पास देखते हैं। उनका व्यवहार, उनकी आदतें और उनका स्वभाव, सब कुछ घर के माहौल से जुड़ा होता है। कई बार पैरेंट्स यह समझ ही नहीं पाते कि उनकी छोटी-छोटी बातों का भी बच्चे के मन पर कितना बड़ा असर पड़ रहा है। धीरे-धीरे बच्चा ऐसा बिहेवियर अपनाने लगता है, जो आगे चलकर परेशानी बन सकता है। ऐसे बच्चे अक्सर अपनी मनमानी करती हैं, नियमों को हल्के में लेने लगता है, और घर में किसी की बात को सीरियस नहीं लेते। चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट के मुताबिक बच्चों में यह बदलाव अचानक नहीं आता, इसके पीछे एक बड़ी वजह होती है, जो अक्सर घर के अंदर ही जन्म लेती है। चलिए डिटेल में समझते हैं।

आपसी तालमेल की कमी का असर : एक्सपर्ट कहती हैं कि जब मां-बाप के बीच में आपसी तालमेल नहीं होता है, उनके बीच लड़ाइयां ज्यादा होती है, तो इसका असर बच्चों पर बहुत ज्यादा पड़ता है। जब मां-बाप के बीच में लड़ाई ज्यादा होती है, तो ऐसे बच्चों के बिगड़ने के चांस बढ़ जाते हैं। इसकी खास वजह यह होती है कि बच्चा मां-बाप के बीच की कमजोरियों को पकड़ लेता है। अगर मां पढ़ाई के लिए कहती है और बच्चा पढ़ना नहीं चाहता, तो वह तुरंत पिता को मना लेता है कि बाहर घूमने चलें। दूसरी ओर, अगर रात में पापा जल्दी सोने को कहते हैं, तो बच्चा मां से कह देता है कि थोड़ी देर टीवी देख लेते हैं।

घर के माहौल का पड़ता है असर : थेरेपिस्ट के मुताबिक जब मां-बाप एक-दूसरे के साथ खड़े नहीं होते, हर बात पर लड़ते झगड़ते रहते हैं, तो बच्चा ये समझ जाता है कि घर में कोई भी फैसला स्थिर नहीं है। उसे ऐसा लगने लगता है कि वो अपनी मर्जी से घर के हर नियम बदलवा सकता है। इस वजह से बच्चे में अनुशासन की कमी आने लगती है और वह धीरे-धीरे बिगड़ने लगता है। कुल मिलाकर ये सकते है कि माता-पिता के बीच समझ का ना होना, विचारों का ना मिलना और रोज-रोज की लड़ाई बच्चे के मन पर गहरा असर डालती है।

***डिस्क्लेमर :** इस लेख में दी गई सूचना पूरी तरह सोशल मीडिया रील पर आधारित है। जालंधर ब्रीज इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।*

डॉक्टर ने बताया कौन से न्यूट्रिशन की कमी में खाएं कौन से फूड्स

Health गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर ने बताया कि अगर शरीर में किसी न्यूट्रिशन की कमी हो रही या हेल्थ को और भी ज्यादा इंप्रूव करना है तो जान लें कौन से फूड्स खाना होगा अच्छा।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

हममे से हर कोई हेल्दी रहना चाहता है। लेकिन कई बार शरीर में पोषक तत्वों की कमी हमे बीमार बना देती है। अगर आप घर का हेल्दी फूड खाना चाहते हैं और अपनी ओवरऑल हेल्थ को ठीक रखना खुद का गोल बना रखा है तो जान लें कौन से फूड्स खाना हेल्दी होता है। कौन से न्यूट्रिशन की कमी होने पर कौन से फूड्स शरीर को फायदा पहुंचाते हैं, इस बारे में डॉक्टर पाल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखी है। आप भी जान लें...

एनर्जी लेवल और आयरन बढ़ाने के लिए

अगर आप हमेशा शरीर में एनर्जी की कमी महसूस करते हैं। हड्डियां स्ट्रांग नहीं लगती और शरीर का आयरन लेवल कम रहता है तो रोजाना एक कप करीब 30 ग्राम के करीब मोरिंगा के पत्ते रोजाना दो हफ्ते तक खाएं। ये नेचुरली एनर्जी बूस्ट करने में मदद करेंगे।

इम्यूनिटी और हेयर स्ट्रांग करने के लिए

अगर आप स्किन को और चमकदार, क्लियर बनाना चाहते हैं। बालों को स्ट्रांग बनाना चाहते हैं और इम्यूनिटी स्ट्रांग चाहते हैं तो रोजाना एक आंवला या एक छोटा शॉट आंवले का जूस रोजाना दो हफ्ते तक पीना फायदेमंद होता है।

मसल्स और पीरियड पेन से बचने के लिए

शरीर में दर्द होता है। खासतौर पर मसल्स में दर्द बना रहता है और पीरियड के दौरान दर्द होता है तो रोजाना एक केला करीब दो हफ्ते तक खाएं। ऐसा करने से फायदा जरूर होगा और शरीर में ज्यादा एनर्जी महसूस होगी।

ब्लड शुगर को स्थिर रखना है तो

ब्लड शुगर को ज्यादा स्थिर रखना चाहते हैं और शुगर स्पाइक से बचना है साथ ही इम्यूनिटी भी इंप्रूव करनी है तो रोजाना दो सप्ताह तक अमरूद खाना अच्छा होगा।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल और हार्ट को हेल्दी रखने का तरीका

ब्लड प्रेशर को ज्यादा कंट्रोल में रखना है और हार्ट को हेल्दी बनाकर रखना है तो रोजाना एक अनार रोजाना दो हफ्ते तक खाएं।

कब्ज और डाइजेशन को इंप्रूव करना

कब्ज दूर करना चाहते हैं और डाइजेशन को इंप्रूव करना है तो रोजाना दो हफ्ते तक पपीता खाएं।

***डिस्क्लेमर :** यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

पीएम मोदी ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन भारत की विरासत का एक अद्भुत संगम है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि सुबह वे रामायण की नगरी अयोध्या में थे और अब गीता की नगरी कुरुक्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग श्री गुरु तेग बहादुर जी को उनके 350वें बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित संतों और सम्मानित संगत की उपस्थिति का आभार व्यक्त किया और सभी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

मोदी ने 5-6 वर्ष पहले घटित एक और अद्भुत संयोग का समरण करते हुए बताया कि 9 नवंबर 2019 को, जब सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर पर अपना फैसला सुनाया, वे करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन के लिए डेरा बाबा नानक में थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उस दिन वे राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने और करोड़ों राम भक्तों की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी की प्रार्थनाएँ उसी दिन राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाकर स्वीकार कर ली गईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब, जब अयोध्या में धर्म ध्वजा स्थापित हो गई है, उन्हें एक बार फिर सिख संगत से आशीर्वाद लेने का अवसर मिला है।मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले ही कुरुक्षेत्र की धरती पर 'पाञ्चजन्य स्मारक' का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इसी धरती पर भगवान श्री कृष्ण ने सत्य और न्याय की रक्षा को सर्वोच्च कर्तव्य बताया था। मोदी ने भगवान कृष्ण की वाणी का स्मरण करते हुए कहा कि सत्य के मार्ग पर चलने और अपने कर्तव्य के लिए प्राण त्यागना सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने भी सत्य, न्याय और आस्था की रक्षा को अपना धर्म माना और उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर इस धर्म का पालन किया। मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर, भारत सरकार को श्री गुरु तेग बहादुर जी के चरणों में एक स्मारक डाक टिकट और एक विशेष सिक्का समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने कामना की कि सरकार इसी प्रकार गुरु परंपरा की सेवा करती रहे।प्रधानमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि सिख परंपरा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि सिख परंपरा के लगभग सभी गुरु अपनी पवित्र यात्राओं के दौरान इस भूमि पर आए थे। उन्होंने स्मरण किया कि जब नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी, इस पवित्र भूमि पर आए, तो उन्होंने गहन तपस्या और निडर साहस की गहरी छाप छोड़ी।

मोदी ने ज़ोर देकर कहा, "श्री गुरु तेग बहादुर जी जैसे व्यक्तित्व इतिहास में दुर्लभ हैं और उनका जीवन, बलिदान और चरित्र प्रेरणा का एक महान स्रोत है।" उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मुगल आक्रमणों के दौरान, गुरु साहिब ने बहादुरी का आदर्श

स्थापित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत से पहले, मुगल आक्रांताओं द्वारा कश्मीरी हिंदुओं को जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया जा रहा था। इस संकट की घड़ी में, उत्पीड़ितों के एक समूह ने गुरु साहिब से सहायता मांगी। प्रधानमंत्री ने स्मरण किया कि गुरु साहिब ने उनसे कहा था कि वे औरंगज़ेब को स्पष्ट रूप से बता दें कि यदि श्री गुरु तेग बहादुर स्वयं इस्लाम स्वीकार करते हैं, तो वे भी इस्लाम धर्म अपना लेंगे।

मोदी ने कहा कि ये शब्द श्री गुरु तेग बहादुर जी की निडरता की पराकाष्ठा को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि जिसका डर था, वही हुआ। क्रूर औरंगज़ेब ने गुरु साहिब को बंदी बनाने का आदेश दिया, लेकिन गुरु साहिब ने स्वयं दिल्ली जाने का निर्णय घोषित कर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मुगल शासकों ने उन्हें प्रलोभनों से लुभाने की कोशिश की, फिर भी श्री गुरु तेग बहादुर अडिग रहे और अपनी आस्था और सिद्धांतों से समझौता करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनके संकल्प को तोड़ने और उन्हें उनके मार्ग से विचलित करने के लिए, मुगलों ने उनकी आँखों के सामने उनके तीन साथियों - भाई दयाला जी, भाई सती दास जी और भाई मति दास जी को बेरहमी से मार डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि तब भी गुरु साहिब अडिग रहे, उनका दृढ़ संकल्प अटूट रहा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि गुरु साहिब ने धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा और गहन ध्यान की अवस्था में आस्था की रक्षा के लिए अपना शीश बलिदान कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुगल यहीं नहीं रुके, उन्होंने गुरु महाराज के पवित्र शीश का अपमान करने का प्रयास किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भाई जैता जी ने अपनी वीरता से गुरु का शीश आनंदपुर साहिब तक पहुँचाया। प्रधानमंत्री ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के शब्दों को याद किया, जिसका अर्थ है कि आस्था के पवित्र तिलक की रक्षा की जाए, लोगों की आस्था को उत्पीड़न से बचाया जाए और इसके लिए गुरु साहिब ने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि आज गुरु साहिब के बलिदान की भूमि दिल्ली के शीशगंज गुरुद्वारे के रूप में प्रेरणा का एक जीवंत स्थल है, मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आनंदपुर साहिब का तीर्थस्थल हमारी राष्ट्रीय चेतना का शक्ति केंद्र है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत का जो स्वरूप शेष है, वह गुरु साहिब जैसे युगदृष्टा व्यक्तियों के त्याग और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस सर्वोच्च बलिदान के कारण ही श्री गुरु तेग बहादुर साहिब को 'हिंद की चादर' के रूप में सम्मानित किया जाता है।

मोदी ने कहा, "हमारे गुरुओं की परंपरा राष्ट्र के चरित्र, संस्कृति और मूल भावना का आधार है।" उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने इन पवित्र परंपराओं और प्रत्येक सिख उत्सव को राष्ट्रीय पर्व के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनकी सरकार को श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 400वें प्रकाश पर्व और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व को भारत की एकता और अखंडता के पर्व के रूप में मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि देश भर के लोगों ने अपनी-अपनी आस्थाओं, परंपराओं और विश्वासों से ऊपर उठकर इन समारोहों में भाग लिया है।

इस बात पर जोर देते हुए कि उनकी सरकार को गुरुओं से जुड़े पवित्र स्थलों को सबसे भव्य और दिव्य रूप देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले एक दशक में ऐसे कई अवसर आए हैं जब वे व्यक्तिगत रूप से गुरु परंपरा से जुड़े कार्यक्रमों का हिस्सा बने हैं। प्रधानमंत्री ने याद किया कि कुछ समय पहले, जब गुरु ग्रंथ साहिब के तीन मूल स्वरूप अफगानिस्तान से भारत पहुंचे, तो यह प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का क्षण था।इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार ने गुरुओं के प्रत्येक तीर्थ स्थल को आधुनिक भारत के दृष्टिकोण से जोड़ने का प्रयास किया है, मोदी ने कहा कि चाहे वह करतारपुर कॉरिडोर का काम पूरा करना हो, हेमकुंड साहिब में रोपवे परियोजना का निर्माण करना हो, या आनंदपुर साहिब में विरासत-ए-खालसा संग्रहालय का विस्तार करना हो, ये सभी कार्य गुरुओं की गौरवशाली परंपरा को मार्गदर्शक आदर्श मानकर पूरी निष्ठा के साथ किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी जानते हैं कि मुगलों ने बहादुर साहिबज़ादों के साथ भी क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि साहिबज़ादों ने स्वयं को ज़िंदा ईंटों पर चिनवाया जाना स्वीकार किया, लेकिन अपने कर्तव्य या आस्था के मार्ग को नहीं छोड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन्हीं आदर्शों के सम्मान में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है।

लेबर कोड में वेतन, ग्रेच्युटी, स्वास्थ्य जांच और ओवरटाइम पर किया गया बड़ा ऐलान

जालंधर ब्रीज (गुरुग्राम) . श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 21 नवंबर 2025 से चार श्रम संहिताओं—वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्त संहिता—को लागू करने की ऐतिहासिक घोषणा के साथ ही देश के श्रमबल के लिए बेहतर वेतन, सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के एक नए युग की शुरुआत हो गई है।

उप-क्षेत्रीय कार्यालय (ईएसआईसी) गुरुग्राम के कार्यालय प्रमुख सुनील यादव, निदेशक (प्रभारी) ने इन संहिताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इनसे ईएसआईसी कवरेज में अभूतपूर्व विस्तार होगा। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के लागू होने से हरियाणा के श्रमिकों को मिलने वाले ईएसआईसी लाभों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जाएगा। नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक उम्र के सभी कर्मचारियों को मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच सुविधा देना अनिवार्य होगा। देशभर में ईएसआईसी कवरेज का विस्तार किया गया है।10 से कम कर्मचारियों वाली इकाइयों में ईएसआईसी कवरेज स्वैच्छिक होगा, जबकि खतरनाक कार्य वाले प्रतिष्ठानों में एक भी कर्मचारी होने पर यह अनिवार्य होगा। अनुबंध कामगारों को भी मुख्य नियोक्ता द्वारा स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा लाभ, तथा 40 वर्ष से अधिक के कर्मचारियों को वार्षिक मुफ्त स्वास्थ्य जांच सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

बागान और खदान मजदूरों को भी अब स्वस्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता (OSH&WC) तथा सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत लाया गया है, जिससे उन्हें और उनके परिवारों को ईएसआई सुविधाएँ मिल सकेंगी। यादव ने बताया कि ये संहिताएँ सामाजिक न्याय सुनिश्चित करती हैं और हरियाणा के श्रम पारितंत्र को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाती हैं। महिलाओं को उनकी सहमति और ज़रूरी सुरक्षा उपायों के साथ, रात्रि पाली सहित सभी जगहों पर सभी तरह के काम करने की इजाजत है, जिससे उन्हें ज़्यादा वेतन वाले रोजगार में बराबर मौके मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि सभी कामगारों को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य किया गया है, जो पारदर्शिता, रोजगार गारंटी और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देगा। साथ ही, नियोक्ताओं के लिए समय पर वेतन देना भी अनिवार्य किया गया है।

उप-क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम ने ईएसआईसी के अंतर्गत आने वाले सभी नियोक्ताओं और श्रमिकों से आग्रह किया है कि वे इन नए प्रावधानों की जानकारी लें और सुनिश्चित करें कि उनका पूर्ण अनुपालन हो, ताकि विस्तारित सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभों का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

आईएफएफआई 2025 में महान अभिनेता धर्मेंद्र को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . भारतीय सिनेमा अपने सबसे महान और सबसे प्रिय तथा प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक धर्मेंद्र के निधन पर शोकाकुल है। सोमवार, 24 नवंबर, 2025 को उनका निधन हो गया। संपूर्ण राष्ट्र के साथ आज 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में भी उनके दिवंगत होने पर गहरा दुख व्यक्त किया गया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जाने-माने फिल्म निर्माता राहुल रवैल ने अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि में रुपहले पर्दे के सबसे चमकते सितारों में से एक धर्मेंद्र के साथ गुजारे गए समय की अपनी अनमोल यादें ताज़ा कीं। उन्होंने सबसे पहले सभी से स्वर्गीय धर्मेंद्र के परिवार के असहनीय दुःख को साझा करते हुए उनके निराले जीवन को याद करने का आग्रह किया। रवैल ने कहा, "वह एक प्रतिष्ठित अभिनेता और अद्भुत इंसान थे।"

राज कपूर की फ़िल्म "मेरा नाम जोकर" में सहायक निर्देशक के रूप में अपने दिनों को याद करते हुए राहुल रवैल ने बताया कि कैसे स्वर्गीय धर्मेंद्र ने ट्रैपीज़ कलाकार महेंद्र कुमार की भूमिका बेजोड़ समर्पण के साथ निभाई थी। उन्होंने बताया कि कैसे वे एक महीने तक हर रोज़ शाम की फ्लाइट से दिल्ली आते थे, सुबह 5 बजे तक शूटिंग करते थे और फिर "आदमी और इंसान" की शूटिंग जारी रखने के लिए मुंबई लौट जाते थे— यह एक बेहद थकाऊ शेड्यूल था, लेकिन उसका उन्होंने हमेशा पालन किया।

राहुल रवैल ने बेताब (1983) की शूटिंग के दिनों को भी याद किया जो स्वर्गीय धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल की पहली फिल्म थी। कश्मीर में फिल्मांकन के दौरान स्वर्गीय धर्मेंद्र की एक झलक पाने के लिए भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ती थी। फिल्म रिलीज़ होने के बाद, उन्होंने बांद्रा पश्चिम स्थित गेयटी सिनेमा में कई दिनों तक हर शाम अपने बेटे की पहली फिल्म देखी और उसके बाद निर्देशक राहुल रवैल के घर जाकर ठीक उसी उत्साह के साथ फिल्म पर चर्चा करते थे जैसे किसी ने उसे पहली बार देखा हो। रवैल ने इस बात पर भी गर्व व्यक्त किया कि महान अभिनेता धर्मेंद्र की संतानें उनकी 'शानदार विरासत' को आगे

बढ़ा रही हैं।

उन्होंने भावुक होकर कहा, "धरम जी एक ऐसे व्यक्ति थे जिनके जीवन की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि उन्होंने लोगों को बहुत खुशी दी।" उन्होंने दिल्ली के एक पुलिस अधिकारी का किस्सा सुनाया जो स्वर्गीय धर्मेंद्र से मिलने और उनके पैर छूने के लिए तरस रहा था। जब उसे पता चला कि धर्मेंद्र जी का निधन हो गया है तो वह अधिकारी बहुत दुखी हुआ। उसने रवैल को फोन किया और सनी देओल से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त करने की इच्छा जताई। रवैल ने ज़ोर देकर कहा, "यह धरम जी की ताकत है।"

रवैल ने स्वर्गीय धर्मेंद्र को पितातुल्य बताया जिन्होंने उनके पूरे करियर को आगे बढ़ाने में सहायता की और हर कदम पर समर्थन किया। उन्होंने उन्हें एक अद्भुत निर्माता भी बताया।

अपने समापन भाषण में उन्होंने कहा, "हमने एक महान इंसान खो दिया है। हम भाग्यशाली हैं कि ऐसे दौर में रहे जब धर्मेंद्र जी जैसे दिग्गज कलाकार काम कर रहे थे।" उन्होंने इस सदाबहार सितारे के सम्मान में विशेष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित करने के लिए आईएफएफआई के आयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया।

महान व्यक्तित्व, प्रिय कलाकार और बेजोड़ गर्मजोशी वाले व्यक्ति - स्वर्गीय धर्मेन्द्र की विरासत सदैव भारतीय सिनेमा के हृदय में अंकित रहेगी।

गांवों की खेल प्रतिभाओं को खेल महोत्सव से मिलेगा मंच- मुरूगन

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . केन्द्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ मुरुगन ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि सांसद बीडी शर्मा ने भविष्य एवं विशाल खेल महोत्सव का आयोजन किया है। जो एक माह तक चलेगा। इसके लिये 75 हजार युवाओं ने पंजीयन कराया है। जो किसी भी संसदीय क्षेत्र में सर्वाधिक है। उन्होंने इस महोत्सव में प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच खेलो इंडिया के माध्यम से सांसद खेल महोत्सव का आयोजन गांव-गांव की युवा खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प का जिक्र करते हुये युवाओं को पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के विकसित और मजबूत भारत बनाने के मिशन को फलीभूत करने में युवाओं की बड़ी भूमिका का उल्लेख किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अगले 25 साल में विश्व का नेतृत्व करेगा।

खेल सुविधाओं में कमी नहीं आने दी जाएगी- सांसद शर्मा : खजुराहो सांसद वी.डी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सांसद खेल महोत्सव में लगभग 75 हजार खिलाडियों का पंजीयन किया जा चुका है। खेलो इंडिया के तहत कटनी से प्रारंभ हो रहे खजुराहो लोकसभा के सांसद खेल महोत्सव में गांव-गांव के खिलाडियों की सहभागिता के प्रयास किये जाएंगे। ताकि वे अपने खेल का प्रदर्शन कर खेल प्रतिभा को निखार सकें। सांसद शर्मा ने कहा कि कटनी, पन्ना एवं छतरपुर के खिलाड़ियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए खेल मैदानों का विकास कार्य निरंतर जारी है। इन कार्यो में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आनें दी जाएगी, ताकि यहां खेल रहे कई युवा आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें। सांसद शर्मा ने विधायक मुड़वारा जायसवाल के आग्रह पर करीब साढ़े 7 करोड़ की लागत से प्रस्तावित मल्टीपरपज हाल के निर्माण के लिए केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मुरूगन द्वारा 1 करोड़ रूपये और स्वयं उनके द्वारा भी सांसद निधि से 1 करोड़ रूपये देने की घोषणा की।

"नक्शा" : विश्वसनीय भू-अभिलेखों और नागरिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग (2002) ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि भारत में श्रम कानूनों का जाल अत्यधिक जटिल और खंडित हो गया है। सरकार ने इसकी सिफारिशों पर अमल करते हुए, पिछले सप्ताह वेतन (2019), औद्योगिक संबंध (2020), सामाजिक सुरक्षा (2020), और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा (ओएसएचडब्ल्यू) (2020) पर चार प्रमुख श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया। इसके साथ ही 29 पुराने कानूनों को प्रभावी रूप से एक अधिक सुसंगत ढाँचे में समाहित कर दिया गया। यह एक स्वागत योग्य कदम है: लंबे समय से प्रतीक्षित और हाल के वर्षों में सबसे प्रतीक्षित सुधारों में से एक है। परिभाषाओं को सरल बनाकर, डिजिटल अनुपालन को सक्षम बनाकर और पंजीकरण एवं निरीक्षणों को सुव्यवस्थित करके, ये नई संहिताएँ लालफीताशाही को कम करती हैं, कानूनी अनिश्चितता को कम करती हैं और व्यापार करना, विशेष रूप से विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए, आसान बनाती हैं।

वेतन संहिता एक वैधानिक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके एक बड़ा बदलाव लाती है। इससे पहले, न्यूनतम वेतन केवल राज्यों के लिए एक दिशानिर्देश के रूप में कार्य करता था और यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं था। यह संहिता न्यूनतम वेतन को सभी क्षेत्रों तक विस्तारित करती है और पहले की उस व्यवस्था का स्थान लेती है जो केवल अनुसूचित रोजगारों की एक सूची पर लागू होती थी। पुराने ढाँचे के अंतर्गत, निजी सुरक्षा, कुरियर और देखभाल सेवाओं जैसे कई व्यवसायों को अक्सर अलग-अलग राज्य अनुसूचियों से बाहर रखा जाता था। यह सुधार कवरेज को सार्वभौमिक बनाकर और एक बाध्यकारी न्यूनतम वेतन स्थापित करके, श्रमिकों के लिए आय सुरक्षा को मजबूत करता है, साथ ही नियोक्ताओं के लिए श्रम लागत में अधिक पूर्वानुमान प्रदान करता है, जिससे अधिक निष्पक्ष औद्योगिक संबंध और अधिक सूचित व्यावसायिक योजना दोनों को समर्थन प्राप्त होता है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ पुराने कानूनों को एक साथ लाती है और पहली बार असंगठित, गिग और प्लेटफ़ॉर्म कर्मचारियों को भी कवरेज प्रदान करती है। इसमें निश्चित अवधि के कर्मचारी भी शामिल हैं, जो अब स्थायी कर्मचारियों के समान आनुपातिक ग्रेच्युटी और लाभ के हकदार हैं। यह संहिता गिग और प्लेटफ़ॉर्म जैसे गैर-पारंपरिक कार्य रूपों को मान्यता देकर, भारत के श्रम बाजार की बदलती वास्तविकताओं को दर्शाती है। ये बदलाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि शोध में लगातार पाया गया है कि सामाजिक सुरक्षा तक पहुँच से श्रमिक कल्याण में सुधार होता है, साथ ही उत्पादकता बढ़ती है, अनुपस्थिति कम होती है और कर्मचारियों को बनाए रखने में सुधार होता है। इन मानकों को अपनाने वाली कंपनियाँ प्रतिष्ठा संबंधी लाभ भी प्राप्त कर सकती हैं और पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन (ईएसजी) लक्ष्यों को प्राथमिकता देने वाली वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ अधिक आसानी से जुड़ सकती हैं।

ओएसएचडब्ल्यू संहिता कार्यस्थल कल्याण और सुरक्षा के दायरे का उल्लेखनीय विस्तार करती है। यह वार्षिक स्वास्थ्य जांच (40 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों के लिए) और कैंटीन, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और क्रेच जैसी कल्याणकारी सुविधाओं को अनिवार्य बनाती है, जिससे ये आवश्यकताएँ व्यापक प्रतिष्ठानों तक विस्तारित होती हैं। ये प्रावधान कारखाना अधिनियम जैसे पूर्ववर्ती कानूनों की तुलना में स्पष्ट सुधार दर्शाते हैं, जिनका कार्यान्वयन असमान रूप से किया जाता था और जो मुख्य रूप से कारखानों पर लागू होते थे। इसके साथ ही, यह संहिता नियोक्ताओं के लिए अधिक सुगमता भी प्रदान करती है। मसौदा प्रावधान राज्य सरकारों को श्रमिकों की सहमति के अधीन, अनुमेय ओवरटाइम घंटों की सीमा निर्धारित करने की अनुमति देते हैं। कई राज्यों ने तब से तिमाही ओवरटाइम सीमा

विद्या सौंदरराजन
(उन्नत अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं शिक्षण केंद्र (सीएएफआरएएल))

को 75 घंटों से बढ़ाकर 125 या 144 घंटे कर दिया है, जबकि ओवरटाइम कार्य के लिए दोगुना वेतन अनिवार्य कर दिया है। निश्चित रूप से, इन प्रावधानों को व्यवहार में सार्थक बनाने के लिए प्रभावी प्रवर्तन और यह सुनिश्चित करना कि सहमति स्वैच्छिक बनी रहे, अत्यंत महत्वपूर्ण है। फिर भी, जब इन्हें मज़बूत श्रम सुरक्षा के साथ लागू किया जाता है, तो ऐसे उपाय दोनों पक्षों के लिए लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं: श्रमिकों के लिए अधिक आय की संभावना और फर्मों के लिए अधिक परिचालन सुगमता प्रदान करना।

औद्योगिक संबंध संहिता, छंटनी और बंद करने के लिए पूर्व सरकारी अनुमोदन की सीमा को 100 से बढ़ाकर 300 कर्मचारियों तक करके, कार्यबल प्रबंधन में अधिक सुगमता लाती है। इससे कंपनियों को आवश्यक कर्मचारी सुरक्षा बनाए रखते हुए, बदलती बाजार स्थितियों के साथ अधिक आसानी से तालमेल बिठाने में सहायता मिलती है। दीर्घावधि में, ऐसी सुगमता औपचारिक रोज़गार सृजन को प्रोत्साहित कर सकता है, क्योंकि कंपनियों द्वारा भर्ती से बचने या कानूनी सीमाओं से नीचे रहने की संभावना कम होती है। इन बाधाओं को कम करके, जैसा कि कई अध्ययनों द्वारा समर्थित है, यह संहिता औपचारिक रोज़गार की ओर बदलाव का समर्थन करती है, जिससे कर्मचारियों को विनियमित कार्य परिस्थितियों, सामाजिक सुरक्षा और रोज़गार स्थिरता तक बेहतर पहुँच मिलती है, साथ ही व्यवसायों को अधिक कुशलता से बढ़ने में सहायता मिलती है।

पुरानी "इंस्पेक्टर-राज" व्यवस्था से "इंस्पेक्टर-कम-फैसिलिटेटर" मॉडल में बदलाव, सहयोगात्मक, तकनीक-संचालित अनुपालन की ओर एक कदम है। जोखिम-आधारित, डिजिटल निरीक्षण मनमानी को कम करते हैं और भारत के श्रम ढाँचे को वैश्विक मानकों के करीब लाते हैं। उद्योग जगत ने इस बदलाव का स्वागत किया है, क्योंकि इससे कागजी कार्रवाई कम होगी, ओवरलैप कम होंगे और मानवीय हस्तक्षेप कम होगा। श्रम सुविधा जैसे एकीकृत पोर्टल के साथ, अनुपालन अब सरल और अधिक पारदर्शी है। हालाँकि कुछ लोग कमज़ोर प्रवर्तन को लेकर चिंतित हैं, लेकिन निरीक्षणों को समाप्त नहीं किया गया है—बस उन्हें अधिक लक्षित, कम दखलंदाज़ी और अधिक पारदर्शी बनाया गया है, जिससे दक्षता और उत्तरदायित्व दोनों में सुधार हुआ है।

अंततः, गैर-मानक रोज़गार रूपों की औपचारिक मान्यता एक दूरदर्शी दृष्टिकोण का संकेत देती है। हालाँकि गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों को अभी तक पूर्ण कर्मचारी का दर्जा प्राप्त नहीं है और इसलिए उन्हें सामूहिक सौदेबाजी या न्यूनतम वेतन गारंटी जैसे अधिकार प्राप्त नहीं हैं, फिर भी सामाजिक सुरक्षा ढाँचे में उनका समावेश अधिक समावेशी श्रम विनियमन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

कुल मिलाकर, नई श्रम संहिताएँ भारत के कार्यस्थल कानूनों को आज की अर्थव्यवस्था के अनुरूप बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। इनका उद्देश्य: श्रमिकों की सुरक्षा करते हुए व्यवसायों के लिए विकास और औपचारिक रूप से नियुक्तियाँ करना आसान बनाकर एक संतुलन बनाना है। हालाँकि, असली परीक्षा इस बात पर निर्भर करती है कि ये सुधार राज्यों में कितनी सुचारू और निरंतर रूप से लागू होते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म व हत्या मामले में पुलिस कमिश्नर जालंधर ने की सख्त कार्रवाई

एएसआई मंगत राम बर्खास्त, दो पीसीआर कर्मी निलंबित

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस कमिश्नर जालंधर की ओर से नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में लापरवाही बरतने वाले एएसआई मंगत राम को तत्काल प्रभाव से नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है और दो पीसीआर मुलाज़िमों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस कमिश्नर जालंधर धनप्रीत कौर ने बस्ती बावा खेल में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म व हत्या के मामले में गंभीर लापरवाही बरतने वाले एएसआई मंगत राम के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया। इसके अलावा दो पीसीआर पुलिस मुलाज़िमों को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह कदम घटना की गंभीरता और जांच के दौरान सामने आई लापरवाही को देखते हुए तत्काल प्रभाव से उठाया गया। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि अपराधों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनदेखी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एडीसीपी-2 हरिंदर सिंह गिल के अनुसार, जांच में सामने आया कि एएसआई मंगत राम द्वारा मौके पर आवश्यक पुलिस कार्रवाई नहीं की गई और न ही सीसीटीवी फुटेज को ध्यान से देखा गया। ऐसी लापरवाही न केवल पुलिस विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि न्याय प्रक्रिया को भी प्रभावित करती है। इसी कारण 'ज़ीरो-टॉलरेंस' नीति के तहत तुरंत बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई है।

गैंगस्टरों/अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई: अप्रैल 2022 से अब तक पंजाब में 2536 गैंगस्टर/अपराधी गिरफ्तार, 24 किया ढेर

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). संगठित अपराध के समाप्ति और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मजबूत प्रतिबद्धता के तहत, पंजाब पुलिस ने अप्रैल 2022 से अब तक 962 आतंकी/अपराधी मॉड्यूल्स का पर्दाफाश, 24 गैंगस्टरों/अपराधियों का एनकाउंटर, और 2536 आरोपियों की गिरफ्तारी की है। यह जानकारी आज पुलिस महानिदेशक (डी जी पी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य से गैंगस्टर कल्चर को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ए डी जी पी) प्रमोद बान की अगुवाई में एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) का गठन किया था। नतीजों के बारे में जानकारी देते हुए डी जी पी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस टीमों ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 2086 हथियार, 564 वाहन, 79 किलो हेरोइन और 4.69 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच कम से कम 324 बार मुठभेड़ हुई। इन कार्रवाईयों में पुलिस ने 24 गैंगस्टरों/अपराधियों को ढेर किया और 515 को गिरफ्तार किया, जिनमें से 319 आरोपी घायल भी हुए। डीजीपी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इन अभियानों के दौरान पंजाब पुलिस के 3 बहादुर जवान शहीद हुए, जबकि 41 पुलिसकर्मी घायल हुए। ए जी टी एफ के गठन के बाद से यह यूनिट राज्य और देश के अन्य हिस्सों में गैंगस्टर तत्त्वों के खिलाफ लगातार ठोस और समन्वित कार्रवाई कर रही है। साथ ही, यह टास्क फोर्स विभिन्न फील्ड यूनिटों के साथ रियल-टाइम इंटेलिजेंस साझा कर अपराधियों के खिलाफ संयुक्त अभियानों को मजबूत बना रही है।

गैंगस्टर निशान जोरियां का मुख्य सहयोगी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार; ग्लॉक पिस्तौल बरामद

• **जालंधर ब्रीज.** बटाला

बटाला पुलिस ने फिरौती की मांग के बाद मोबाइल स्टोर पर की गई गोलीबारी में शामिल गैंगस्टर निशान जोरियां के एक मुख्य साथी को 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल समेत गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लवजीत सिंह उर्फ काका उर्फ कवलजीत, निवासी वैरोवाल बावियां, बटाला के रूप में हुई है। पिस्तौल बरामद करने के साथ ही पुलिस ने उसका मोटरसाइकिल भी जब्त कर लिया है। डीजीपी ने बताया कि आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर 21 नवंबर को बटाला के एक मोबाइल स्टोर पर गैंगस्टर निशान जोरियां के नाम पर 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के बाद फायरिंग की थी। उन्होंने बताया कि इस मामले के पीछे की साजिश और हैंडलरों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि घटना के बाद एस पी इन्वेस्टिगेशन गुरप्रताप सिंह सहोता की निगरानी में विशेष टीमें गठित की गई थीं। मानव स्रोतों और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस टीमें आरोपी तक पहुंचीं और उसे उस समय रोका गया जब वह अपने मोटरसाइकिल पर गांव कुदावाली की ओर से आ रहा था। डीआईजी ने बताया कि कार्रवाई के दौरान जब पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो उसने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में आरोपी की बाईं टांग में गोली लगी और वह घायल हो गया।

पत्र सूचना कार्यालय द्वारा मोगा में 'वार्तालाप' मीडिया कार्यशाला का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** मोगा

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) चंडीगढ़ की जालंधर शाखा द्वारा वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित 'वार्तालाप' मीडिया कार्यशाला का मोगा में आयोजन किया गया, जिसमें विशेष रूप से मोगा के पत्रकार शामिल हुए। इस मीडिया कार्यशाला में 'भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं, नीतियों और पहलों की महिला सशक्तिकरण में भूमिका' विषय पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा चर्चा की गई। इस अवसर पर उपायुक्त मोगा, सागर सेतिया, आईएएस ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यशाला की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से की गई।

मीडिया एवं संचार अधिकारी, डॉ. विक्रम सिंह ने कार्यशाला में पहुँचे सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों की भूमिका के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पीआईबी मंत्रालय का प्रमुख हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों/योजनाओं और पहलों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुँचाने के लिए पीआईबी और मीडिया के बीच समन्वय बढ़ाना आवश्यक है और इसी उद्देश्य से 'वार्तालाप' का आयोजन किया जाता है।

'आप' सांसद ने पीयू पर उपराष्ट्रपति से मांगा मुलाकात का समय

चंडीगढ़/नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). 'आप' सांसद मलविंदर सिंह कंग ने भारत के उपराष्ट्रपति और पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) के कुलाधिपति (चांसलर) सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिखकर पंजाब यूनिवर्सिटी की कानूनी स्वतंत्रता की रक्षा पर विस्तृत चर्चा के लिए मुलाकात का समय मांगा है।

सांसद कंग ने केंद्र सरकार के 28 अक्टूबर, 2025 को यूनिवर्सिटी की सीनेट और सिंडिकेट के पुनर्गठन संबंधी जारी किए गए नोटिफिकेशन को वापस लेने के फैसले का स्वागत किया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सरकारी कदम छात्रों की मांगों का पूर्ण समाधान नहीं है। उन्होंने लिखा कि 1882 में स्थापित पंजाब यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय महत्व की संस्था है, और इसकी स्वायत्तता इसके लोकतांत्रिक ढांचे और अकादमिक गरिमा की नींव है।

पंजाब 'ईज़ी रजिस्ट्री' व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य : मुख्यमंत्री

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल, तेज़ और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से लिया गया निर्णय

• **जालंधर ब्रीज.** फतेहगढ़ साहिब

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ज़मीन-जायदाद की 'ईज़ी रजिस्ट्री' (आसान व्यवस्था) को लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के मकसद से इस ऐतिहासिक पहल की शुरुआत के गवाह बने सभी लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दशकों से ज़मीन-जायदाद की रजिस्ट्रेशन को जटिल और समय बर्बाद करने वाली प्रक्रिया माना जाता रहा है। इसके लिए बार-बार सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, बहुत परेशानी होती थी और देरी व भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोगों को अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री करवाने के लिए संबंधित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे अतिरिक्त बोझ और असुविधा होती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब "आसान रजिस्ट्री" व्यवस्था लागू हो जाने से पंजाब में संपत्ति रजिस्ट्रेशन सरल, तेज़ और पारदर्शिता के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि "ईज़ी रजिस्ट्री" प्रणाली नागरिकों के लिए अनावश्यक देरी और परेशानी को पूरी तरह खत्म कर देगी। उन्होंने कहा कि भारत में पहली बार किसी राज्य ने संपत्ति रजिस्ट्रेशन को इतना सरल बनाने की दिशा में ऐसा कदम उठाया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस पहल के तहत अब एक जिले के अंदर कोई भी सब-रजिस्ट्रार कार्यालय उस जिले के किसी भी क्षेत्र में स्थित संपत्तियों को रजिस्टर कर सकेगा। उन्होंने कहा कि अब नागरिक मात्र 500 रुपए की नाममात्र फीस देकर 'सेल डीड' ऑनलाइन या सेवा केंद्रों के माध्यम से तैयार करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि "सरकार तुहाडे दुआर" योजना के तहत लोग इस सेवा का लाभ लेने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1076 पर कॉल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दस्तावेज़ केवल 48 घंटे के अंदर ऑनलाइन जमा करवाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब तहसीलदार ज़मीन-जायदाद की रजिस्ट्रेशन पर अनावश्यक आपत्ति नहीं लगा सकेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसके लिए 48 घंटे की समय-सीमा तय की गई है और यदि कोई आपत्ति लगाई जाती है तो उसे तुरंत संबंधित डिप्टी कमिश्नर को भेजा जाएगा, जो यह पुष्टि करेंगे कि आपत्ति वैध है या नहीं।

पंजाब राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन ने सुनीं लोगों की समस्याएं

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन जतिंदर मसीह गौरव ने आज यहां जिला रेड क्रॉस भवन में अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित लोगों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को इनके उचित समाधान के लिए तुरंत आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस मौके पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमनिंदर कौर, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर संदीप कुमार शर्मा भी मौजूद थे। ईसाई समुदाय की कब्रिस्तानों से जुड़ी समस्याएं सुनते हुए आयोग के चेयरमैन ने अधिकारियों को ईसाई समुदाय के लोगों को अंतिम रस्मे निभाने में आ रही परेशानियों का शीघ्र समाधान निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कब्रिस्तानों पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो जिम्मेदारों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कब्रिस्तानों में सफाई, सौंदर्यीकरण और चारदीवारी सुनिश्चित करने को भी कहा। चेयरमैन ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय को हर स्तर पर समान अधिकार मिलना और उनकी सामाजिक तथा धार्मिक जरूरतों का सम्मान करना पंजाब सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय की पुलिस, राजस्व विभाग, नगर निगम सहित अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं भी सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से इनका समुचित समाधान करने के निर्देश दिए।

गन्ने की फसल के संबंध में किसानों को दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान

• **जालंधर ब्रीज.** नकोदर

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की गन्ना शाखा द्वारा उन्नत कृषि योजना के तहत सहकारी शुगर मिल नकोदर में डा. मनधीर सिंह, प्रोजेक्ट अधिकारी के नेतृत्व में गन्ने की फसल संबंधी दो दिवसीय किसान जागरूकता कैंप/प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सहायक गन्ना विकास अधिकारी डा. गुरचरण सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं किसान सलाहकार केंद्र जलोवाल डा. मनिंदर सिंह, कीट वैज्ञानिक डा. युवराज सिंह, फसल वैज्ञानिक तथा गन्ना अनुसंधान केंद्र कपूरथला डा. राजिंदर पाल ने गन्ने की खेती की उन्नत तकनीकों, कीट-मकोड़ों की रोकथाम, रोग प्रबंधन, गन्ने में अंतर-फसल तथा किसानों की भलाई से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

किसानों को संबोधित करते हुए डा. गुरचरण सिंह ने कहा कि कृषि उन्नत योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के अंतर्गत पंजाब सरकार द्वारा गन्ने की प्रति हेक्टेयर पैदावार बढ़ाकर पंजाब में गन्ने की फसल में अंतर-फसल के अंतर्गत क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए प्रदर्शनी प्लॉट लगाए जा रहे है ताकि गन्ना उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत की जा सके। इसके अलावा इस मिशन का उद्देश्य फसल उत्पादन, तकनीक और बीजों के लिए सहायता प्रदान करके अनाज उत्पादन बढ़ाना, मिट्टी की सेहत बहाल करना, किसानों की आय में सुधार करना तथा पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की गन्ना शाखा द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गन्ना पंजाब की गेहूं, धान और कपास के बाद चौथी ऐसी नकदी फसल है जो मौसम के प्रतिकूल प्रभावों को सहन कर गन्ना किसानों को अच्छी आमदनी प्रदान करती है।

पंजाब के स्कूलों में 5.60 लाख से अधिक विद्यार्थी पढ़ेंगे उद्यमिता का पाठ : बैंस

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि राज्य के युवाओं को स्व-रोज़गार की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से एक मिसाल कायम करने वाली पहल के तहत पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा के लिए उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया है। यह कोर्स विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने और रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। बैंस ने अकादमिक वर्ष 2022-23 में 11वीं कक्षा के लिए शुरू किए गए बिज़नेस ब्लास्टर प्रोग्राम की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि बोर्ड ने 3,692 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में उद्यमिता को अनिवार्य विषय के रूप में लागू कर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का मजबूत संदेश दिया है। इसके साथ ही 104 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 10,382 शिक्षकों और 231 मास्टर ट्रेनरों को उद्यमिता पढ़ाने के कौशल से लैस किया गया है।

उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा 12वीं कक्षा का पाठ्यक्रम और पाठ्य-पुस्तकें पहले ही तैयार कर ली गई हैं, जिसके चलते अकादमिक वर्ष 2026-27 में लगभग 5.60 लाख विद्यार्थी बिना किसी बाधा के उद्यमिता विषय की पढ़ाई कर सकेंगे। यह व्यापक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के विचारों को व्यावहारिक उद्यमों में बदलने में सहायक होगा।

पंजाब ने केंद्र से 250 करोड़ रुपये के मनरेगा फंड तुरंत जारी करने की मांग की

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने गुरुवार को केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मनरेगा योजना के तहत केंद्र सरकार के पास बकाया 250 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने की जोरदार अपील की। केंद्रीय मंत्री के साथ समीक्षा बैठक के बाद जिला प्रशासकीय परिसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री सौंद ने कहा कि मटीरियल कंपोनेंट के तहत रोके गए फंड के कारण पंजाब में इस महत्वपूर्ण ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई है।

मजदूरी में समानता की मांग करते हुए कैबिनेट मंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मनरेगा के तहत काम करने वाले राज मिस्त्रियों की मजदूरी में संशोधन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में राज मिस्त्री को 400 रुपये प्रतिदिन मिलते हैं, जबकि पंजाब में राज मिस्त्री को केवल 346 रुपये मजदूरी दी जा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महंगाई और मजदूरी दरों में वृद्धि के कारण इतनी कम मजदूरी पर कुशल मिस्त्री मिलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच यह भेदभाव खत्म होना चाहिए। पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए पंजाब की पहल पर प्रकाश डालते हुए सौंद ने बताया कि राज्य देश में मनरेगा कर्मियों के लिए चेहरे की पहचान (फेस रिकॉग्निशन) और जियो-टैगिंग आधारित हाजिरी प्रणाली शुरू करने वाला पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि यह पायलट प्रोजेक्ट, जो वर्तमान में फतेहगढ़ साहिब में चल रहा है, जल्द ही सभी 23 जिलों में लागू कर दिया जाएगा।

टी20 विश्व कप 2026 का शेड्यूल जारी

भारत-पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को खेला जाएगा पहला मैच

फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत और पाकिस्तान अगले साल 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में आमने-सामने होंगे। टूर्नामेंट के कार्यक्रम के अनुसार, जिसका अनावरण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मंगलवार को मुंबई में करेगी। इस साल के एशिया कप के दौरान भारत द्वारा जीते गए तीन मैचों के बाद यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। मैच आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा और भारत का तीसरा मैच होगा। आईसीसी द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार भारत और पाकिस्तान को अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड के साथ ग्रुप में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत टूर्नामेंट के पहले दिन 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 'मेन इन ब्लू' 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मुकाबले के लिए दिल्ली रवाना होगा। टूर्नामेंट का 2026 संस्करण 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो या कैंडी में खेलेगा। टूर्नामेंट का प्रारूप अपरिवर्तित है, जिसमें 20 टीमों को चार-चार के समूहों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक में पाँच टीमें होंगी। भारत गत चैंपियन है, जिसने बारबाडोस में 2024 संस्करण के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था।

प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी, जहाँ टीमों को चार-चार के समूहों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुँचेंगी। यदि भारत सुपर आठ चरण में पहुँचता है, तो उसके तीन सुपर आठ मुकाबले अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता में होंगे। यदि भारत सेमीफाइनल में पहुँचता है, तो उसका सेमीफाइनल मुंबई में होगा। अन्य सेमीफाइनल स्थान कोलंबो या कोलकाता है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि पाकिस्तान या श्रीलंका क्वालीफाई करते हैं या नहीं। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। लेकिन यदि पाकिस्तान खिताबी मुकाबले में पहुँचता है, तो इसे कोलंबो में स्थानांतरित किए जाने की संभावना है।

दो मेजबान देशों भारत और श्रीलंका के अलावा, टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य 18 टीमें हैं : अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त राज्य अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, इटली, नीदरलैंड, नामीबिया, जिम्बाब्वे, नेपाल, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात।

आशीर्वाद योजना के तहत 22.66 करोड़ रुपये जारी

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार ने आशीर्वाद योजना के अंतर्गत चालू वित्त वर्ष 2025-26 में निर्धारित जातियों से संबंधित 4,443 लाभार्थियों के लिए 22.66 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि आशीर्वाद पोर्टल पर 15 ज़िलों से कुल 4,443 योग्य आवेदन प्राप्त हुए थे। प्रत्येक लाभार्थी के बैंक खाते में 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता सीधे बैंक हस्तांतरण (डी.बी.टी.) के माध्यम से भेजी जा रही है। जिला-वार लाभार्थियों की संख्या इस प्रकार है—अमृतसर 1297, बरनाला 18, बठिंडा 138, फिरोज़पुर 748, गुरदासपुर 394, होशियारपुर 105, जालंधर 470, मानसा 309, श्री मुक्तसर साहिब 239, पटियाला 52, पठानकोट 347, रूपनगर 38, एस.ए.एस. नगर 17, संगरूर 122 और मालेरकोटला 149।

अंगदान संकल्प अभियान : होशियारपुर जिला प्रशासन की विशेष बैठक आयोजित

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पुरब को समर्पित अंगदान संकल्प अभियान, जो पूरे पंजाब में 19 नवंबर 2025 से शुरू किया गया है, उसके तहत आज जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर आशिका जैन के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला प्रशासकीय परिसर के अशोक चक्र मीटिंग हॉल में अतिरिक्त कमिश्नर (जनरल) परमप्रीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग (नोडल विभाग के रूप में) तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और ऑर्गन डोनेशन एसोसिएशन होशियारपुर के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुए।

बैठक के दौरान अतिरिक्त कमिश्नर (जनरल) परमप्रीत सिंह जी ने सभी विभागों के प्रतिनिधियों को इस महत्वपूर्ण सामाजिक अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अंगदान न केवल कई कीमती जानें बचाने में सहायक होता है, बल्कि यह मानवता की सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण भी है। बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों को नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन की वेबसाइट का लिंक https://notto.obdm.gov.in/ तथा QR कोड की जानकारी दी गई। उन्हें निर्देश दिए गए कि अपने-अपने विभागों के कार्यालयों, संस्थानों, अस्पतालों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर क्यू. आर कोड प्रदर्शित करके लोगों को स्कैन करवाकर संकल्प फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया जाए।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.